नागपंचमी एवं विश्व आदिवासी दिवस (09 अगस्त) की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
जीवन जीने का तरीका जैसे भी हो, खुश रहने और रखने का प्रयत्न करते रहें।

वर्ष-15, अंक-18 | सावन शुक्ल पक्ष पंचमी, विक्रम संवत् 2081 कोरबा, शुक्रवार दिनांक 09 से 15 अगस्त 2024 | पृष्ठ-6 मूल्य रू. 3.00

पुरूष हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक में जीता ब्रॉन्ज

गोलकीपर श्रीजेश ने भी अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया

पेरिस/नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में स्पेन को हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। इसके साथ ही भारत के पदक तालिका में चार मेडल हो गए हैं। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराया है। भारत हॉकी टीम की जीत के बाद भारत में जश्न का माहौल है। भारत के गोलकीपर श्रीजेश की हर तरफ तारीफ हो रही है।

केरल के एर्नाकुलम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश के परिजनों ने मिठाई बांटकर और पटाखे जलाकर खुशियां मनाईं। श्रीजेश की बेटी अनुश्री ने कहा, यह बहुत अच्छी खबर है कि भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता। फाइनल में जब वे हार गए तो मेरा दिल टूट गया था। सबसे बड़ी खबर यह थी कि हम ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ जीत गए। श्रीजेश की पत्नी अनीशा ने कहा, उन्होंने मुझसे कहा था कि यह आखिरी मैच है जिसे उन्हें जीतना है और वह कांस्य पदक लेकर लौटेंगे। मैं उनके फैसले से सहमत हूं... मैच देखते समय हम बहुत तनाव में थे। यह एक भावनात्मक क्षण है। कभी-कभी हम शब्दों के माध्यम से व्यक्त नहीं कर सकते।

हरियाणा के पानीपत में भी नीरज चोपड़ा और उनके पड़ोसियों ने भारतीय हॉकी टीम की जीत का जश्न मनाया। वाराणसी में हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय का परिवार भी ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर जश्न में डूब गया। पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी परगट सिंह ने कहा, मैच रोमांचक और रोमांचक था। स्पेन को अंत तक कई पेनल्टी कॉर्नर मिले। जर्मनों की तुलना में स्पेन टाइट मार्किंग नहीं करता। हरमनप्रीत सिंह ने 2 गोल किए जिससे हमारी जीत हुई।

दोहराई टोक्यो की कहानी

आपको बता दें कि तोक्यो की कहानी को पेरिस ओलंपिक में दोहराते हुए भारतीय हॉकी टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से स्पेन को 2-1 से हराकर देश के लिए और अपने सुनहरे कैरियर पर विराम लगाने वाले पी आर श्रीजेश के लिये कांस्य पदक जीता। जीत के बाद श्रीजेश को कंधे पर बिठाकर मैदान का चक्कर लगाने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ टीवी के सामने नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों भारतीयों की भी आंखें नम हो गई। ओलंपिक पदक के साथ विदा लेने वाले श्रीजेश जीत के बाद गोलपोस्ट के ऊपर जाकर बैठे तो अपने जज्बात पर काबू नहीं रख सके।

जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में मिली हार का गम भुलाकर डेढ़ दिन बाद भारतीय टीम फिर युवेस डु मनोइर स्टेडियम पर उतरी तो हर खिलाड़ी का एक ही लक्ष्य था कि खाली हाथ नहीं लौटना है। एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में गोल करके न सिर्फ जीत दर्ज की बल्कि पेरिस ओलंपिक में कल पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले अयोग्य करार दिये जाने से देश भर में छाई मायूसी को दूर करने का प्रयास भी किया। इस जीत के साथ ही भारत के लिये 336 मैच खेलने वाले महान गोलकीपर श्रीजेश ने भी अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया।

भारतीय टीम के लिये हरमनप्रीत सिंह ने (30वें, 33वें मिनट) जबकि स्पेन के लिये मार्क मिरालेस (18वां मिनट) ने गोल दागे। आठ बार की चैम्पियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम का यह 13वां ओलंपिक पदक है और पचास साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीते हैं। इससे पहले 1968 में मैक्सिको और 1972 में म्युनिख ओलंपिक में भारत ने कांस्य जीता था। सेमीफाइनल में नीदरलैंड से चार गोल से एकतरफा पराजय का सामना करने वाली स्पेनिश टीम ने आक्रामक शुरूआत की और पहले क्वार्टर में भारत को एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं बनाने दिया।

भारत के पास छठे मिनट में खाता खोलने का मौका था जब हार्दिक सिंह ने सर्कल पर से डी के भीतर सुखजीत सिंह को पास दिया लेकिन वह सही निशाना नहीं साध सके। स्पेन के लिये 10वें मिनट में मोस मारिया बास्टेरा के शॉट का हरमनप्रीत ने बचाव किया। पहले क्वार्टर तक कोई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में स्पेन को 18वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर मिरालेस ने आसानी से गोल कर दिया। स्पेन को दो मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन रोहिदास ने जबर्दस्त बचाव किया। रोहिदास ने खास तौर पर डिफेंस में बेहतरीन प्रदर्शन किया जिनकी कमी जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में उनके प्रतिबंधित होने के कारण खली थी।

स्पेन की टीम 25वें मिनट में एक और गोल करने के करीब पहुंची जब गेरार्ड क्लापेस ने सुमित से गेंद छीनी और श्रीजेश के ठीक सामने उन्हें चकमा देकर गोल के भीतर डालने की कोशिश की और भारतीय टीम भाग्यशाली रही कि उनका निशाना ठीक नहीं लगा। स्पेन को दो मिनट बाद मिला पेनल्टी कॉर्नर भी बचा लिया गया। भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 28वें मिनट में मिला लेकिन हरमनप्रीत गोल नहीं कर सके। हाफटाइम से कुछ सेकंड पहले मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके हरमनप्रीत ने भारत को बराबरी दिलाई।

ब्रेक के बाद भारतीय टीम आक्रामक तेवरों के साथ उतरी और तीसरे ही मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके हरमनप्रीत ने 2-1 से बढ़त दिला दी। हरमनप्रीत का यह टूर्नामेंट में 11वां गोल था। दो मिनट बाद जवाबी हमले में स्पेन को मिले पीसी पर मिरालेस गोल नहीं कर सके। वहीं भारत को 37वें और स्पेन को 40वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। आखिरी पंद्रह मिनट में सुखजीत ने फिर एक मौका गंवाया जबकि स्पेन को 59वें मिनट में दो और फिर आखिरी मिनट में मिले दो और पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए।

पीएम मोदी बोले- पीढ़ियां याद रखेंगी ये उपलब्धियां

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स पर लिखा, ''पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर हमारी हॉकी टीम को हार्दिक बधाई। पांच दशक से भी अधिक समय के बाद भारत ने लगातार दो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, एक उपलब्धि जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम चमकाया हैं। मोदी ने कहा कि यह और भी खास है, क्योंकि यह ओलंपिक में उनका लगातार दूसरा पदक है। उनकी सफलता कौशल, दृढ़ता और टीम भावना की जीत है।

विनेश फोगाट का संन्यास:लिखा- कुश्ती जीत गई, मैं हार गई

सिल्वर मेडल के लिए स्पोर्ट्स कोर्ट में अपील मंजूर की, मिल सकता है रजत पदक

पेरिस (एजेंसी)।

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलिंपिक में डिस्क्वालिफाई होने के 17 घंटे बाद कुश्ती से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने गुरुवार सुबह 5.17 बजे X पर एक पोस्ट में लिखा- मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार विनेश को ओलिंपिक सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी की तरह ही सम्मान-इनाम देगी।

डिस्क्वालिफिकेशन के खिलाफ अपील भी की

विनेश ने संन्यास के ऐलान से पहले बुधवार रात अपने डिस्क्वालिफिकेशन के खिलाफ अपील दायर की है। उन्होंने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स से मांग की कि उन्हें संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिया जाए। विनेश ने पहले फाइनल खेलने की मांग भी की थी। फिर उन्होंने अपील बदली और अब संयुक्त रूप से सिल्वर दिए जाने की मांग की। कोर्ट ने विनेश की अपील मंजूर कर ली है और संभवत सिल्वर मेडल मिल सकता है।

7 अगस्त को विनेश का वजन उनकी तय कैटेगरी 50kg से 100 ग्राम ज्यादा निकला। इसके बाद ओलिंपिक एसोसिएशन ने उन्हें फ्रीस्टाइल महिला कुश्ती के लिए अयोग्य घोषित कर दिया।

ओलिंपिक से बाहर होने के बाद विनेश की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोच वीरेंद्र दाहिया उनसे मिलने पहुंचे तो विनेश ने उनसे कहा- किस्मत खराब थी कि हम मेडल से चूक गए, लेकिन यह खेल का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा से कहा था कि वे रेसलर की मदद के तरीके तलाशें। PM ने उषा से इस मामले में विरोध दर्ज कराने को भी कहा था।

डॉक्टर बोले- वजन घटाने के लिए रातभर एक्सरसाइज करती रहीं

भारतीय ओलिंपिक टीम के डॉक्टर दिनशॉ पौडीवाला ने स्टेटमेंट जारी करके बताया कि विनेश और उनके कोच को 6 अगस्त की रात ही उनके ज्यादा वजन के बारे में पता चल गया था। इसके बाद विनेश पूरी रात नहीं सोईं और वजन को तय कैटेगरी में लाने के लिए जॉगिंग, स्किपिंग और साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करती रहीं।

डॉक्टर पौडीवाला ने बताया कि विनेश ने अपने बाल और नाखून तक काट दिए थे। उनके कपड़े भी छोटे कर दिए गए थे। इसके बावजूद उनका वजन नहीं घट पाया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि भारतीय दल ने विनेश को थोड़ा और समय देने की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग नहीं सुनी गई।

IOA ने कहा- रातभर कोशिशों के बावजूद वजन 100 ग्राम ज्यादा रहा

इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन ने कहा- यह बेहद खेदजनक है कि विनेश फोगाट को ज्यादा वजन के कारण महिला कुश्ती के 50 किलो कैटेगरी में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रातभर की कोशिशों के बावजूद सुबह उनका वजन 50 किलो से कुछ ग्राम अधिक पाया गया। हम विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हैं। भारतीय दल आगे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा। हम आने वाली प्रतियोगिताओं पर फोकस करना चाहेंगे।

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

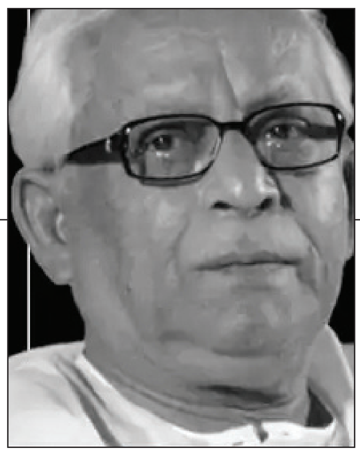

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और CPI (M) नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार (8 अगस्त) को निधन हो गया। पूर्व सीएम ने 80 साल की उम्र में कोलकाता स्थित घर पर अंतिम सांस ली। बुद्धदेव बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित थे। उन्हें सांस लेने में भी दिक्कत थी। पिछले कुछ समय से उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। पिछले साल उन्हें निमोनिया भी हुआ था। लाइफ सपोर्ट पर रहने के बाद वे ठीक हो गए थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं।

भट्टाचार्य ने CPI (M) की सरकार में 2000 से 2011 तक, 11 साल बंगाल सीएम का पद संभाला। 1977 से 2000 तक ज्योति बसु के नेतृत्व में सीपीआई एम की सरकार थी। लगातार 34 साल सत्ता में रहने के बाद 2011 में तृणमूल कांग्रेस ने कम्युनिस्ट पार्टी को सत्ता से हटाया था।

बुद्धदेव को पश्चिम बंगाल की औद्योगिक क्रांति के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2022 में पद्म भूषण लेने से इनकार कर दिया था। वे अपनी साधारण जीवनशैली के लिए जाने जाते थे। वे अब तक पाम एवेन्यू के उस दो बेडरूम वाले फ्लैट में ही रह रहे थे, जहां से वह कभी राज्य चलाते थे।

छत्तीसगढ़ में बड़ी लापरवाही..रेलवे ट्रैक पर ई-क्लिप पड़ी मिली

ये पटरी को कंक्रीट-प्लेट से जोड़ती है, सपोर्ट-हुक टाइट पट्टियां भी गायब डीसीएम बोले-जांच कराएंगे

भिलाई (एजेंसी)।

रायपुर-दुर्ग रूट पर सुपेला में रेलवे ट्रैक पर दर्जनों ई-क्लिप पटरी के पास पड़ी मिलीं। कई जगहों पर पटरी के बीच लगने वाली सपोर्ट पट्टी और हुक टाइट करने वाली पट्टियां तक गायब थीं। कुछ इतने ढीले थे कि, उन्हें निकाला जाए तो आसानी से निकल आएंगे। यह स्थिति महज 500 से 700 मीटर की दूरी पर ट्रैक की है। इस तरह की लापरवाही से देश में कई ट्रेन पटरी से उतर गए और जिससे दुर्घटनाएं हुई हैं। 4 अगस्त, 2024 को यूपी के सहारनपुर में दिल्ली-सहारनपुर पैसेंजर ट्रेन शंटिंग के दौरान पटरी से उतर गई। जांच के दौरान पता चला कि, शंटिंग के दौरान ट्रैक के कांटे को चेक नहीं किया गया।

21 जुलाई, 2024 को राजस्थान के अलवर स्टेशन से करीब 1.5 किमी दूर मालगाड़ी के 3 वैगन पटरी से उतर गए। यह घटना यार्ड से फर्टिलाइजर खाली करके निकलने के करीब 2 मिनट बाद ही हो गई। मामले की जांच अभी जारी है।11 जुलाई, 2024को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में मालगाड़ी की दो बोगियां पटरी से उतर गईं। बिलासपुर रेल मार्ग के किरोड़ीमल नगर रेलवे स्टेशन के पास यह घटना हुई। मामले की जांच अभी जारी है। इस बड़ी लापरवाही पर डीसीएम ने जांच की बात कही है।

महाराष्ट्र-गुजरात से 831 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात एटीएस ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एटीएस के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया।

वक्फ संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति को भेजा

कांग्रेस समेत 9 पार्टियां विरोध में: रिजिजू बोले- कई विपक्षी सांसद सपोर्ट में, दबाव में बोल नहीं रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वक्फ कानून (संशोधन) बिल को केंद्र सरकार ने गुरुवार, 8 अगस्त को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया। इससे पहले, लोकसभा में इसे केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पेश किया था। चर्चा के दौरान उन्होंने बिल को जेपीसी के पास भेजने का भी प्रस्ताव रखा। इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसीपी (शरद पवार), AIMIM, TMC, CPI (M), IUML, DMK, RSP ने विरोध किया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल राव ने कहा- सरकार कम्युनिटीज के बीच में विवाद पैदा करना चाहते है। AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, इस बिल को लाकर आप (केंद्र सरकार) देश को जोड़ने का नहीं, बल्कि बांटने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं।

रिजीजू ने कहा कि कई विपक्षी सांसद इस बिल के सपोर्ट में हैं। अलग अलग आते हैं और सपोर्ट करते हैं, लेकिन पार्टी के कारण नही बोल सकते। इस पर अमित शाह ने बीच में बोला कि सांसदों का नाम नहीं बताना-जिस पर सभी हंस पड़े।

किरेन रिजिजू ने कहा- वक्फ एक्ट में पहले भी संशोधन हुए हैं। हम सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर बदलाव कर रहे हैं। इस कमेटी को आपने (कांग्रेस) ही बनाया था। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा। इससे बोर्ड की मनमानी पर रोक लगेगी बोर्ड के पुनर्गठन से बोर्ड में सभी वर्गों समेत महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। मुस्लिम बुद्धिजीवी, महिलाएं और शिया और बोहरा जैसे समूह लंबे समय से मौजूदा कानूनों में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जनदर्शन में पहुंचा पति, कहा-मेरी पत्नी को ढूंढ दो:पंडवानी गायिका ने की पद्मश्री की मांग, राखी बांधने पर सीएम ने कहा-उपहार देंगे

रायपुर (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री के तीसरे जनदर्शन में रिमझिम बारिश के बीच भारी संख्या में लोग पहुंचे। इनमें से एक शख्स राजनांदगांव से पहुंचा जिसने लापता पत्नी की खोज-खबर लगाने की गुहार सीएम से लगाई। वहीं पंडवानी गायिका शांति बाई चेलक भी जनदर्शन में आईं। उन्होंने पद्मश्री के लिए अनुशंसा करने का आग्रह किया है।

शेष पृष्ठ -5 पर।

मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने

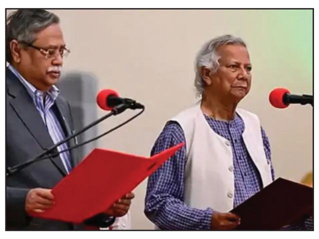

ढाका (एजेंसी)।

मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बन गए है। उन्हें आज रात 8 बजकर 50 मिनट पर राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पद की शपथ दिलाई। 13 अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। अंतरिम सरकार में यूनुस के अलावा 16 सदस्य होंगे। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, शपथ समारोह में करीब 400 लोग शामिल हुए। भारत को भी न्योता मिला था, लेकिन किसी इस बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया है कि शेख हसीना का आगे का क्या प्लान है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। आरक्षण आंदोलन हिंसक होने के बाद हसीना 5 अगस्त को ढाका छोड़कर दिल्ली आ गई थीं।

1500 लोग भारत में घूसने की कर रहे थे कोशिश

दूसरी ओर बांग्लादेश में हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बीएसएफ ने भारत में घुसने की कोशिश कर रहे करीब 1500 बांग्लादेशियों को रोका है। इनमें से 1 हजार लोग बिहार और 500 लोग पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के रास्ते भारत आ रहे थे। घुसपैठ को देखते हुए भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर BSF अलर्ट हो गई है।

महादेव सट्टा ऐप:कमीशन पर दे रहे कॉर्पोरेट बैंक अकाउंट, छत्तीसगढ़ पुलिस की कई राज्यों में रेड, 8 गिरफ्तार, 100 से ज्यादा मोबाइल-500 सिमकार्ड बरामद

रायपुर (एजेंसी)।

तमाम कोशिशों के बावजूद महादेव सट्टा ऐप पर रोक नहीं लग पा रही है। छत्तीसगढ़ पुलिस और EOW ने 8 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 को गिरफ्तारी मुंबई और 3 की अलग-अलग राज्यों से की गई है। पकड़े गए आरोपियों में एक जिम संचालक है। जिम बंद हुआ तो वह सट्टे का पैनल संचालित करने लगा।

EOW ने 3 आरोपियों से 100 से ज्यादा मोबाइल, 500 से ज्यादा सिम और लैपटॉप बरामद हुआ है। ये सभी सिम देश भर में चल रहे लगभग 500 पैनलों से जुड़े हुए हैं। आरोपी ऊंचे कमीशन पर कॉर्पोरेट बैंक खाते (जिनका UPI पेमेंट अनलिमिटेड हो) भी देते थे।

EOW ने छत्तीसगढ़, यूपी सहित कई राज्यों में मार छापा

जांच के दौरान EOW को पता चला कि महादेव ऐप पैनल से जुड़े वॉट्सऐप नंबर अलग-अलग राज्य में सेंटर बनाकर रखे गए हैं। इन सेंटर को OTP के नाम से जाना जाता है। इन सेंटर से सिम रिचार्ज और OTP प्राप्त किया जाता है। वहीं सारे नंबर दुबई से ऑपरेट होते हैं।

इन नंबरों को महादेव बुक के अलग-अलग प्लेटफार्म रेड्डी अन्ना, फेयर प्ले, लोटस, लॉयन बुक, डायमंड बुक, सीबीटीएफ बुक, अंबानी बुक आदि के कस्टमर केयर नंबर के नाम से जाना जाता है। इन नंबरों के वॉट्सऐप में मैसेज करने से ऑटो जनरेटेड मैसेज मिलते हैं, कि किस अकाउंट में पैसे डिपाजिट करने हैं। कैसे सट्टा खेलने के लिए आईडी मिलेगी।

इसके बाद EOW ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के दर्जन भर सेंटर पर एक साथ छापा मारा। वहां से हुक्का ग्रुप के 3 आरोपी भिलाई निवासी अतुल सिंह परिहार, विश्वजीत राय चौधरी और बिहार के रोहतास का रहने वाला भारत ज्योति पांडेय पकड़ा गया।

विश्वजीत राय जिम का संचालन करता था। पिछले कुछ महीनों से उसका काम बंद है। बताया जा रहा है कि जिम बंद करके उसने महादेव सट्टा ऐप का पैनल चलाना शुरू कर दिया था।

सुविचार

अंतिम व्यक्ति तक विकास की रौशनी की पहुंच से ही बनेगा विकसित भारत

चिंतन

भारत को रहना होगा सतर्क

बांग्लादेश में तख्ता पलट की अप्रत्याशिक घटना ने भारत को चिंता में डाल दिया है। शेख हसीना की सरकार से भारत और बांग्लादेश के बीच दोस्ती का रिश्ता था और सालों से भारत-बांग्लादेश की दोस्ती से दुश्मनों ने ऐसा पैंतरा खेला और देखते ही देखते शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट हो गया। तख्ता पलट के एक दिन पूर्व छात्र संगठनों ने कई मामलों को लेकर शेख हसीना सरकार के खिलाफ देश भर में उग्र प्रदर्शन किया। शेख हसीना ने प्रदर्शनकारियों को छात्र नहीं बल्कि कट्टरपंथियों की करतूत बताया और हुआ भी ऐसा ही। कट्टरपंथियों ने प्रधानमंत्री आवास पर कब्जा कर लिया और शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। कट्टरपंथियों द्वारा बांग्लादेश के हिन्दू ठिकानों पर तोड़फोड़ और हिंसा की जा रही है, जो भारत के लिए चिंता का विषय बन गया है और भारत ने बार्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी है। बांग्लादेश ने अंतरिम सरकार की कवायद चल रही है और फिर भी भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

संपादक

छत्तीसगढ़ में मुख्यधारा से जुड़ता आदिवासी समुदाय

जनजाति समुदायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1994 में घोषित किया गया था। यह दिन आदिवासियों को इनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने और उन्हें मुख्य धारा में लाकर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए चहुंमुखी प्रयास के लिए प्रण लेने का दिन है। छत्तीसगढ़ में वन और सदियों से निवासरत आदिवासी राज्य की विशेष पहचान रहे हैं। प्रदेश के लगभग आधे भू-भाग में जंगल है, जहां मेला-महोत्सव के जरिए गौरवशाली आदिम संस्कृति फूलती-फलती रही है। उनकी कला, संस्कृति, लोक परंपरा, रीति-रिवाज, रहन-सहन तथा वेशभूषा से उन्हें देश-दुनिया में एक नई पहचान मिली है। जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत उनके दैनिक जीवन, तीज-त्यौहार, धार्मिक रीति-रिवाज एवं परंपराओं के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। बस्तर के जनजातियों की घोटुल प्रथा प्रसिद्ध है। जनजातियों के प्रमुख नृत्य गौर, कर्मा, ककसार, जशपुर और सरगुजा के शैला नृत्य सहित प्रदेश के सरहुल और परब जन-जन में लोकप्रिय हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं आदिवासी समाज से हैं ,उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने राज्य की आदिम संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। आदिवासी समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने तथा अंतिम छोर के व्यक्ति योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से बस्तर संभाग के 5 जिले सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर में नियद नेल्लानार से तात्पर्य आपका आदर्श ग्राम योजना जैसी अभिनव योजना संचालित की जा रही है। इस योजना इन जिलों में स्थापित सुरक्षा कैम्पों के आसपास के पांच किलोमीटर की परिधि में संचालित हो रही है। ग्रामीणों को राज्य और केन्द्र शासन द्वारा संचालित 52 योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। ग्रामीणों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जनजाति समुदायों सभी प्रकार की मूलभूत सुविधा और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन योजना का आदिवासी वनांचलों में बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना में 9 केन्द्रीय मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना में प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों (पीवीटीजी) बसाहट के आस-पास शिविर लगाकर हितग्राहियों का आधार कॉर्ड, राशन कॉर्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कॉर्ड, जाति-प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित किए जा रहे हैं। सभी हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र भी दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना में पक्के घर का प्रावधान, पक्की सड़क, नल से जल, समुदाय आधारित पेयजल, छात्रावासों का निर्माण, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषण-आहार, बहुउद्देशीय केन्द्रों का निर्माण, घरों का विद्युतीकरण (ग्रिड तथा सोलर पावर के माध्यम से), वनधन केन्द्रों की स्थापना, इंटरनेट तथा मोबाइल सर्विस की उपलब्धता और आजीविका संवर्द्धन हेतु कौशल विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए ''एक पेड़ मां के नाम'' के तहत् प्रदेश में व्यापक स्तर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में आदिवासी समुदाय को जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के प्रणेता गुंडाधुर की स्मृति में वनों की सुरक्षा की पहल शुरू की है। इसमें आदिवासी समाज के लोग स्व प्रेरणा से योगदान दे रहे हैं। जसं

अनुच्छेद 370 हटने के बाद विश्व पटल पर चमका कश्मीर, पर्यटन और निवेश में तोड़े रिकॉर्ड

कभी हिंसा और आंतकवाद के लिए दुनिया में चर्चित हुआ जम्मू कश्मीर आज विश्व पटल पर अपने विकास की नई कहानी बयान कर रहा है। कश्मीर में यह संभव हुआ अनुच्छेद 370 हटने के बाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर में विकास की बयार बह रही है और राज्य मे पर्यटन व निवेश के सभी रिकॉर्ड टूट रहे हैं। जम्मू और कश्मीर वास्तव में एक परिवर्तनकारी अनुभव से गुजर रहे हैं।

लोगों को आर्थिक अवसर और राजनीतिक समावेश प्रदान करने का उद्देश्य सभी समुदायों में बढ़ती सार्वजनिक समर्थन को दर्शाता है। सरकार पर जनता का बढ़ता विश्वास सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। इस परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य जम्मू और कश्मीर के हर व्यक्ति और समुदाय को उन्नत करना है, जिससे वहां की जनता में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। 6 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीनगर यात्रा ने कश्मीर घाटी में जबरदस्त उत्साह पैदा किया। अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद से कश्मीर ने लंबा सफर तय किया है।निष्कर्ष

राजनीतिक स्थिरता

जम्मू-कश्मीर में मजबूत जमीनी लोकतांत्रिक प्रणाली शुरू हुई है, जिसमें ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में सबसे निचले स्तर पर लोगों की वास्तविक भागीदारी हो रही है। जम्मूकश्मीर में हिंसा कम हुई और आतंकवाद खात्मे की ओर है। युवा मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। एजेंसी।

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त पर विशेष लेख

आदिवासी अंचलों में पहुंच रही हैं तेजी से विकास योजनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत जनजातीय समुदाय की आबादी को देखते हुए राज्य की बागडोर विष्णु देव साय के हाथों में सौंपी है। राज्य गठन के 23 वर्षों बाद वे ऐसे पहले आदिवासी नेता है जिन्हें राज्य के मुखिया के तौर पर कमान सौंपी गई है। राज्य में नई सरकार की गठन के साथ ही उन्होंने किसानों, महिलाओं और वंचित समूहों को आगे बढ़ाने के लिए योजनाओं की शुरूआत की। वे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के ध्येय वाक्य को लेकर सभी वर्गों की उन्नति और बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति की देश-विदेश में अलग पहचान रही है। राज्य के आदिवासी अंचल एक ओर वनों से आच्छादित है। वहीं इन क्षेत्रों में बहुमूल्य खनिज सम्पदा भी है। मनोरम पहाड़ियां, झरनें, इठलाती नदियां बरबस लोगों को आकर्षित करती हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार बनने के बाद राज्य के आदिवासी अंचलों में जन जीवन में तेजी से बदलाव लाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए अनेक नवाचारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

आदिवासी समुदाय को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संचालित की जा रही महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री जनमन योजना में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, बिजली, आवास, पेयजल जैसी महत्वपूर्ण मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

आदिवासी क्षेत्रों के तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार की पहल पर जगदलपुर के नगरनार में लगभग 23 हजार 800 करोड़ रूपए की लागत से वृहद स्टील प्लांट लगाया गया हैं, इससे आने वाले वर्षों में बस्तर अंचल की पूरी तस्वीर बदलेगी। लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा साथ ही रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा। इस साल के केन्द्रीय बजट में जनजाति उन्नत ग्राम अभियान योजना शामिल की गई है। इस योजना से राज्य के लगभग 85 विकासखंडों में शामिल गांवों को विभिन्न मूलभूत सुविधाएं मिलेगी। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा देने जैसी प्राथमिकताएं भी जनजाति क्षेत्रों की दशा और दिशा बदलेंगी।

जनजाति क्षेत्रों के तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए भारत माला प्रोजेक्ट के अंतर्गत रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है 464 किलोमीटर लंबा और छह लेन चौड़ा एक्सप्रेसवे होगा। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश से होकर गुजरेगा। यह एक्सप्रेसवे मार्ग छत्तीसगढ़ में 124 किलोमीटर, ओडिशा में 240 किलोमीटर और आंध्र प्रदेश में 100 किलोमीटर बनेगी। उड़ीसा से आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम तक बनाए जा रहे इस नए कॉरिडोर से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वहीं नए उद्योगों की स्थापना से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

बस्तर के माओवादी आतंक से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक तरफ सुरक्षा कैंपों की सख्या बढ़ायी जा रही है। वहीं सुरक्षा कैंपों के आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नियद् नेल्लानार जैसी नवाचारी योजनाओं की शुरूआत की गई है। इस योजना के बेहतर और सार्थक परिणाम मिल रहे हैं। लोगों का विश्वास फिर से शासन-प्रशासन के प्रति लौटने लगा है।

आदिवासियों की आय में वृद्धि और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। प्रदेश सरकार ने लगातार ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे वनों के साथ आदिवासियों का रिश्ता फिर से मजबूत हुआ है। वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ-साथ तेन्दूपत्ता का खरीदी कार्य भी पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 36 कॉलेजों के भवन-छात्रावास निर्माण के लिए 131 करोड़ 52 लाख रूपए मंजूर किए गए है। इससे प्रदेश के 36 कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ होंगे तथा शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं युवाओं को उच्च स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होगी और वे बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सकेंगे।

राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता पारिश्रमिक दर प्रतिमानक बोरा 4000 से बढ़ाकर 5500 रूपए कर दिया है। इससे लगभग 13 लाख जनजाति परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में लघु वनोपज संग्रहण भी महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से हो रहा है। लघु वनोपज के प्रसंस्करण के लिए वनधन केन्द्रों की स्थापना की गई है।

प्रदेश में जनजातिय समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है। इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए संचालित यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है।

राज्य में बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों के कामकाज को व्यवस्थित और प्रभावित बनाने के लिए इनका पुनर्गठन किए जाने का निर्णय लिया गया है। इन प्राधिकरणों की कमान अब मुख्यमंत्री के हाथों में होगी। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे तथा मुख्यमंत्री के सचिव अथवा सचिव इन प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए बस्तर अंचल के देवगुड़ियां और घोटुलों तथा अन्य ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, साथ ही ऐसे स्थानों में प्राकृतिक सुन्दरता भी बढ़ेगी।

(छगनलाल लोन्हारे/जी.एस. केशरवानी)

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अति पिछड़े आदिवासियों को आगे बढ़ने का एक और सुनहरा अवसर

09 अगस्त विश्वआदिवासी दिवस पर विशेष

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने कोटा के अंदर कोटा पर एक बड़ा फैसला दिया है। इस फैसले से एक बार फिर अति पिछड़े आदिवासियों को आगे बढ़ने का सुअवसर मिलेगा। आजादी के 76 साल बाद भी सुप्रीम कोर्ट को आखिर इस तरह का फैसला क्यों देना पड़ा, यह राजनीति हलकों के लिए चिंतन का विषय हो सकता है। 01 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की बेंच ने 6-1 के बहुमत से ये फैसला दिया है। फैसले में कहा गया है कि, राज्य सरकार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों में सब कैटेगरी बना सकती है जिससे जरूरतमंद को आरक्षण का अधिक फायदा मिल सके। सबसे दिलचस्प बात ये रही कि, 7 जजों की इस बेंच ने 2004 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। तब ईवी चिन्नैया मामले में कोर्ट ने कहा था कि, एससी/एसटी जातियों में सब कैटेगरी नहीं बनाई जा सकती है। आज की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने 6-1 के बहुमत से कहा कि, जनजातियों में सब कैटेगरी की अनुमति है जबकि जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी ने इससे असहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सत्ता के लिए राजनीतिक रोटियां सेंकने वाली पार्टियों के बीच अब चिंता की लकीरें खींच गई हैं, कि आगे क्या होगा?

ऐसे आया सुप्रीम आदेश

साल 1975 में पंजाब सरकार ने आरक्षित सीटों को दो श्रेणियों में विभाजित करके अनुसूचित जाति में विभाजन करके एक नई आरक्षण नीति पेश की थी। इस नीति में आरक्षण को भागों में डिवाइड किया गया एक बाल्मीकि और मजहबी सिखों के लिए और दूसरा बाकी अनुसूचित जाति वर्ग के लिए. 30 साल तक ये नियम लागू रहा। उसके बाद 2006 में ये मामला पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा और ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2004 के फैसले का हवाला दिया गया। तब पंजाब सरकार को झटका लगा और इस नीति को रद्द कर दिया गया। ईवी चिन्नैया फैसले में समानता के अधिकार का उल्लंघन बताते हुए सुप्रीम कोर्ट कैटेगरी के भीतर सब कैटेगिरी की अनुमति नहीं दी गई।

इस फैसले के बाद पंजाब सरकार ने 2006 में बाल्मीकि और मजहबी सिखों को फिर से कोटा दिए जाने को लेकर एक नया कानून बनाया। इस कानून को भी साल 2010 में हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। हाई कोर्ट ने भी इस नीति को रद्द कर दिया। फिर ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। पंजाब सरकार ने अपने पक्ष में ये तर्क दिया कि, इंद्रा साहनी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में सुप्रीम कोर्ट के 1992 के फैसले के तहत यह जायज है। आपको बता दें कि, इस फैसले में अन्य पिछड़ा वर्ग के भीतर सब कैटेगिरी की अनुमति दी थी। इसी को आधार बनाते हुए पंजाब सरकार ने तर्क दिया कि अनुसूचित जाति के भीतर भी इसकी अनुमति दी जानी चाहिए।

2020 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के फैसले पर एक बड़ी बेंच बनाकर उसपर विचार करने की बात कही। इसके बाद सीजेआई के नेतृत्व में सात जजों की बेंच का गठन किया गया, जिसने जनवरी 2024 में तीन दिनों तक मामले में दलीलें सुनीं और उसके बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और अंतत:01 अगस्त 2024 सुप्रीम फैसला आया, जिसमें आदिवासियों एवं अनुसूचित जातियों के बीच सब कैटेगरी बनाकर आरक्षण देने का अपना फैसला सुनाया।

अति पिछड़े आदिवासियों/एसटी को आगे बढ़ने का खुला दरवाजा

बाबा साहब अंबेडकर ने आदिवासियों एवं अनुसूचित जातियों को बराबरी का दर्जा देने के लिए भारतीय संविधान में प्रावधान किया था, लेकिन सत्ता के लिए खेल करने वाले राजनीतिक दलों ने इन्हें आगे बढ़ने का अवसर तो दिया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था और आज भी आदिवासी अतिपिछड़े हुए सामान्य जीवन के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के कोटा में कोटा का रास्ता साफ साफ करने के बाद अब राज्य सरकार इसके लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हो गई हैं और अब राज्य सरकारों को चाहिए कि इन दोनों वर्गों में सब कैटेगरी बनाकर उन लोगों को आरक्षण का लाभ ज्यादा दें, जो अति पिछड़े हुए हैं और वे नई नीति से शायद जीवन की मुख्य धारा से जुड़ सकें और सामान्य जीवन जी सकें। इसके लिए सरकारों को अच्छी नियत से काम करने की आवश्यकता है।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

छत्तीसगढ़ को मिला एक और नेशनल इंस्टीट्यूट

फिजिकल एजुकेशन-स्पोर्ट्स से जुड़े कोर्स करेंगे युवा, नवा रायपुर में शुरू होगा सेंटर

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन का स्टेट सेंटर शुरू किया जा रहा है। सरकार में इसके लिए 120 एकड़ जमीन देने की तैयारी कर ली है। यह संस्थान ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय का रीजनल सेंटर होगा। जहां फिजिकल एजुकेशन से जुड़े कोर्स यूथ कर सकेंगे। इसके अलावा स्पोर्ट्स में कोच, ट्रेनर बनने की ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) ग्वालियर की तर्ज पर संस्थान प्रारंभ होने जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा सैद्धांतिक सहमति दे दी गई है।

नवा रायपुर में चिन्हित की गई जमीन

एलएनआईपीई सेंटर के लिए नवा रायपुर के तेन्दुआ में 120 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है, जिसे राजस्व विभाग के द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग को आबंटित करने का निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ में प्रारंभ होने वाले इस एलएनआईपीई सेंटर को भारत सरकार वित्तीय सहायता देगी।

ग्वालियर से आए एक्सपर्ट्स

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा और ग्वालियर के राष्ट्रीय संस्थान के कुलपति प्रोफेसर इंदू बोरा के साथ हुई बैठक में नवा रायपुर के तेंदुआ में एलएनआईपीई सेंटर स्थापित करने पर चर्चा हुई। एलएनआईपीई के क्षेत्रीय संस्थान में शैक्षणिक सत्र में 1000 छात्र शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकेंगे। यह संस्थान पूर्णत: आवासीय होगा। मंत्री वर्मा ने इस संबंध में अधिकारियों को भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने और कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

सेंट्रल मिनिस्ट्री को भेजा जा रहा है प्रपोजल

एलएनआईपीई की कुलपति प्रोफेसर इंदू बोरा ने बताया कि अगले सप्ताह मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स, स्पोर्ट्स भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस विषय पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से जल्द ही मुलाकात कर प्रस्ताव पारित करने का आग्रह करेंगे।

शराब घोटाला..अनवर-अरुणपति 14 अगस्त तक ईडी रिमांड पर

मेरठ जेल से रायपुर लाकर किया गया कोर्ट में पेश, अब 7 दिन ईडी करेगी पूछताछ

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में नकली होलोग्राम और शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी की रिमांड श्वष्ठ को मिल गई है। 14 अगस्त तक दोनों श्वष्ठ के रिमांड में रहेंगे जहां उनसे पूछताछ होगी। इससे पहले उन्हें मेरठ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर लाया गया था।

दोनों को आज रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया जहां श्वष्ठ ने 7 दिन की कस्टोडियल रिमांड का आवेदन लगाया जो कोर्ट ने मंजूर कर दिया। दोनों आरोपियों को यूपी से प्रिजन वैन से रायपुर के श्वष्ठ दफ्तर लाया गया। वैन में ष्टष्टञ्जङ्क कैमरा, वाइस रिकॉर्डर और जीपीएस सिस्टम भी लगा है। जिससे उनकी निगरानी की गई।

18 जून को यूपी एसटीएफ ने किया था गिरफ्तार

शराब घोटाले मामले में एसटीएफ ने अनवर को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक रिमांड पर रायपुर जेल भेज दिया था। इसी बीच हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद अनवर ढेबर को जेल से बाहर आते ही 18 जून की रात यूपी एसटीएफ की टीम ने प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया था।

शराब घोटाले में ईडी करेगी पूछताछ

शराब घोटाले मामले में अप्रैल 2024 को ईडी ने नई एफआईआर दर्ज की थी। जिसके बाद रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा को गिरफ्तार कर पूछताछ की और बाद में न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया था। लेकिन ईडी अनवर और एपी त्रिपाठी को हिरासत में लेकर पूछताछ नहीं कर पाई थी।

2 जुलाई को कोर्ट में चार्जशीट पेश

छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ के लीकर स्कैम में जुलाई के पहले हफ्ते में ईडी स्पेशल अदालत में चार्जशीट पेश की थी। ईडी ने 10 हजार पन्नों के साथ 200 पेज का आरोप पत्र भी पेश किया था। जिसमें रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, कारोबारी अनवर ढेबर, त्रिलोक ढिल्लन और आबकारी विभाग में अधिकारी रह चुके एपी त्रिपाठी को घोटाले का मास्टर माइंड बताया था।

इन दस्तावेजों में बताया गया है कि इन लोगों ने मिलकर सरकारी सिस्टम का दुरुपयोग करते हुए बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। चार्जशीट में इस बात का भी जिक्र है कि इन रुपए को कुछ राजनीतिक साझेदारी के साथ बांटा भी गया। चार्जशीट में कारोबारियों और अधिकारियों के बीच हुए वॉट्सऐप चैट से लेकर शराब घोटाले के सिंडिकेट के बीच कामकाज का ब्योरा भी है।

एक साल पहले आप ने कहा था- ये 9000 करोड़ का घोटाला

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले मामले पर एक साल पहले आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को घेरा था। तब पार्टी के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष कोमल हूपेंडी ने कहा था कि, प्रदेश में 2 हजार करोड़ का नहीं, बल्कि 9 हजार करोड़ से अधिक का शराब घोटाला हुआ है। हूपेंडी ने दस्तावेजों के साथ महासमुंद जिले का उदाहरण भी दिया।

उन्होंने बताया था कि इस मामले को लेकर पार्टी के सह सचिव अभिषेक जैन ने 2 जुलाई 2020 को कलेक्टर महासमुंद से शिकायत की थी। इसमें बताया गया कि जिले के सरकारी शराब दुकानों में अवैध रूप से बिना परमिट के डुप्लीकेट सरकारी हॉलमार्किंग वाली शराब उत्पादक से सीधे शराब दुकानों में खाली होती है और बिना स्कैनिंग के उसे बेचा जाता है।

छत्तीसगढ़ में कैदियों का बढ़ेगा पारिश्रमिक

कुशल बंदियों को 100 और अकुशल को 80 रुपए मिलेंगे, पूर्व गृहमंत्री ने लगाई थी याचिका

बिलासपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के जेलों में सजा काट रहे कैदियों को अब बढ़ा हुआ पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया जाएगा। इसके लिए राज्य शासन ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें कुशल कैदियों को 100 रुपए और अकुशल कैदियों को 80 रुपए मिलेगा।

दरअसल, पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने जनहित याचिका दायर कर कलेक्टर दर पर पारिश्रमिक राशि देने की मांग की थी, जिसकी सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने जवाब में कैदियों के पारिश्रमिक राशि बढ़ाने की जानकारी दी है।

पूर्व गृहमंत्री कंवर ने 2022-23 में लगाई थी याचिका

छत्तीसगढ़ के जेलों में बंद इन कैदियों की समस्या पर पूर्व गृहमंत्री कंवर ने साल 2022-23 में याचिका लगाई थी, जिसकी सुनवाई हाईकोर्ट में चल रही थी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने पिछली सुनवाई के दौरान शासन को जवाब देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था।

शासन ने कहा- पारिश्रमिक बढ़ाने तैयार किया है प्रस्ताव

गुरुवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर ने शासन की तरफ से जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने जेल में बंद सजायाफ्ता कैदियों के पारिश्रमिक राशि बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया है। शासन ने माना कि पहले कैदियों को बहुत कम राशि दी जाती थी, जिसे अब बढ़ाया जाएगा। शासन का जवाब आने के बाद डिवीजन बेंच ने संतुष्टि जताते हुए जनहित याचिका का निराकरण कर दिया है।

कलेक्टर दर से मिले मेहनताना

याचिका में बताया गया कि सजायाफ्ता कैदियों से जेल में काम कराया जाता है। सजा पूरी होने पर जेल से रिहाई होने के बाद कैदियों को यह राशि उनके जीवनयापन के लिए दी जाती है। जेल मेनुअल के अनुसार कुशल श्रेणी के कैदियों 80 रुपए और अकुशल श्रेणी के कैदियों को 60 रुपए पारिश्रमिक दिया जाता है। याचिका में कैदियों को कलेक्टर दर पर पारिश्रमिक राशि देने की मांग की गई थी। ताकि बाद में इनके जीवन में काम आ सके।

अब मिलेगा 100 और 80 रुपए

हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर होने के साथ ही जेल मुख्यालय ने सजायाफ्ता कैदियों के पारिश्रमिक राशि बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया था, जिसे स्वीकृति के लिए राज्य शासन को भेजा गया था। गुरुवार को याचिका की सुनवाई के दौरान शासन की तरफ से एडिशनल एडवोकेट जनरल ने बताया कि शासन ने माना है कि कैदियों को पहले कम पारिश्रमिक दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब कुशल वर्ग के कैदियों को 100 रुपए और अकुशल श्रेणी के कैदियों को 80 रुपए देने का प्रस्ताव है। हालांकि, कोर्ट को यह नहीं बताया गया है कि यह राशि कब से बढ़ाई जाएगी और आदेश कब जारी किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष: सीएम जनदर्शन

लापता पत्नी की तलाश के लिए पहुंचा पति

जनदर्शन में राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव के रहने वाले नंदकिशोर ने अपनी पीड़ा मुख्यमंत्री साय को बताई। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी पिछले 6 महीने से लापता है। पुलिस थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन अब तक कुछ खबर नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को सुनकर राजनांदगांव के एसपी को फोन किया और खोज-खबर के निर्देश दिए हैं।

पंडवानी गायिका ने पद्मश्री की अनुशंसा की

पंडवानी गायिका शांति बाई चेलक ने कहा कि वे लंबे समय से पंडवानी की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही हैं। वे चाहती हैं कि पंडवानी में छत्तीसगढ़ में हो रहे कार्यों को लेकर पद्मश्री पुरस्कार के लिए उन्हें अनुशंसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

सीएम ने कहा कि, छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए शासन प्रतिबद्ध है। हमारी प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई जी को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने जनदर्शन में तिरंगा झंडा देकर पडवानी गायिका शांति बाई चेलक को सम्मानित किया।

बहनों ने बांधी राखी तो सीएम ने कहा- देंगे उपहार

जनदर्शन में सीएम साय से मिलने दो बहनें पहुंचीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले जनदर्शन में आए हैं इसलिए पहले राखी बांधेंगी। रिशी अग्रवाल ने बताया कि उनके पिता डॉ जे पी वर्मा शासकीय महाविद्यालय बिलासपुर में प्रोफेसर के पद पर थे। उनका निधन हो गया उन्हें अनुकंपा नियुक्ति उनकी शिक्षा के मुताबिक मिले तो अच्छा लगेगा।

इसी तरह सिद्धिका गोस्वामी ने बताया कि वे परपोडी बेमेतरा से हैं। उनके पिता गोडमर्रा विद्यालय में टीचर थे उनका निधन हो गया और अब अनुकंपा नियुक्ति के लिए उन्होंने आवेदन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, रक्षाबंधन का तोहफा मैं आपको अनुकंपा नियुक्ति के रूप में जल्द दूंगा।

किसान बोले- खेतों में घुस रहा जहरीला पानी

जनदर्शन में बलौदाबाजार जिले के ग्राम डोंगरिया से किसान अपने आवेदन लेकर पहुंचे। किसानों ने बताया कि उनकी फसल अपोलो कंपनी के प्रदूषित पानी से खराब हो रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर बलौदाबाजार को तत्काल कार्रवाई कर किसानों को राहत दिलाने की निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन से बिना देर किए कार्रवाई की जाएगी।

फौजी की पत्नी ने पेंशन की गुहार लगाई

दुर्ग से आई ललिता साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके पति इंडियन आर्मी में पंजाब में नायक के पोस्ट पर थे। उनकी मृत्यु हो गई और वो परिवार सहित पंजाब से छत्तीसगढ़ वापस आ गई। पंजाब में उन्हें पेंशन की पूरी राशि मिलती थी पर छत्तीसगढ़ आने के बाद उन्हें यहां पूरी पेंशन नहीं मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फौजी के परिवारजनों को छत्तीसगढ़ सरकार कोई कष्ट नहीं होने देगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

रायपुर के रोशन साहू ने बेटे के इलाज के लिए आवेदन दिया। बताया कि उनका बेटा 8 साल का लक्ष्य एस्ट्रॉफी ऑफ़ ब्लैडर बीमारी से पीड़ित है । अहमदाबाद सिविल अस्पताल में ऑस्ट्रेलिया फाउंडेशन से इस बीमारी का मुफ्त इलाज होता है तो वे वहां भी गए लेकिन वहां बताया गया कि अहमदाबाद इसके लिए नियमित रूप से जाना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने ''हर घर तिरंगा'' अभियान का किया शुभारंभ

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनदर्शन कार्यक्रम में आए लोगों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित कर ''हर घर तिरंगा'' अभियान की शुरुआत की। आजादी के अमृत महोत्वस के तहत स्वतंत्रता सप्ताह 9 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हर सप्ताह गुरुवार को दोपहर 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनदर्शन चलेगा। यहां आम लोगों को सिविल लाइस स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास में एंट्री दी जाती है।

हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा:भागीदारी सुनिश्चित कर कार्यकर्ताओं को सौंपी गई जिम्मेदारी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा की तरह स्वतंत्रता दिवस से पूर्व देश का गौरव प्रतीक तिरंगे को हर घर और जन तक पहुंचाने और सभी में देशभक्ति की भावना को जागृत रखने हर घर तिरंगा- तिरंगा यात्रा अभियान की शुरुआत की गई थी । जिसके बाद हर वर्ष समय समय पर भाजपा द्वारा ऐसे आयोजनों पर विशेष तैयारियों के साथ पूरे जोश और उत्साह पूर्वक ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाने भागीदारी निभाई जाती रही । जिस तारतम्य में 15 अगस्त 2024 के अवसर पर केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान और प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश पर कोरबा जिले अंतर्गत जिला भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की गई ।

जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने 11 से 14 - 13 से 15 सहित आगामी समस्त गतिविधियों पर नगर , शहर ,वार्ड, बूथ सहित पंचायत स्तर पर समिति और टोलियां बनाकर आयोजनों को सफल बनाने दिशा निर्देश दिया गया । जिसमे मुख्य रूप से आगामी आयोजन में 11 से 14 अगस्त तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा के द्वारा निकाला जाना तय हुआ । 13 से 15 अगस्त तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलेवासियों और बच्चों के साथ प्रत्येक घर और व्यावसायिक केंद्रों में तिरंगा फहराने की भागीदारी सुनिश्चित की । 12 से 14 अगस्त महापुरुषों की प्रतिमा और स्मारकों के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम और 13 से 15 अगस्त महापुरुषों और वीर सपूतों की प्रतिमाओं स्मारकों पर माल्यार्पण कार्यक्रम पर जिला अध्यक्ष ने जिम्मेदारी तय की ।

इसी तरह भारत का विभाजन तथा अभूतपूर्व मानव विस्थापन और पलायन की दर्दनाक दास्तान पर संगोष्ठी करते हुए 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस-एक काला अध्याय जिसे देशवासियों को याद दिलाने और लाखों की संख्या में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने स्मरण कराया गया ।

जिला प्रभारी गोपाल साहू ने भाजपा कार्यकर्ताओं को आगामी आयोजित अन्य गतिविधियों से अवगत कराते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभियान एक पेड़ मां के नाम पर जिस तरह हर स्तर पर सभी लोग पेड़ लगाने की शुरुआत कर चुके है, उसी तरह आप सभी कार्यकर्ताओं को एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन जन तक पहुंचाते रहना है और लोगों को पेड़ लगाने और उन्हें बचाने के लिए प्रेरित करना है ।

जिला प्रभारी गोपाल साहू ने बताया की हमेशा की तरह आगामी आयोजित सभी कार्यक्रमों को सरल ऐप पोर्टल पर जरूर अपलोड करें । उन्होंने बैठक में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को केंद्र और प्रदेश नेतृत्व द्वारा निर्देशित गतिविधियों पर विचार साझा किया गया और उस पर तत्परता से अमल करने की बात कही गई ।

बैठक में जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला प्रभारी गोपाल साहू, महामंत्री संतोष देवांगन, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, जिला उपाध्यक्ष डॉ आलोक सिंह, आकाश सक्सेना, उमाभारती सराफ, जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा, सह प्रभारी पवन सिन्हा, नवदीप नंदा, किशन अग्रवाल, विकास अग्रवाल, सोनू भाटिया, टेकचंद अग्रवाल, ज्योति वर्मा, शैल राठौर, विकास झा, सतीश झा, पंकज सोनी, नरेंद्र देवांगन, ईश्वर साहू, हरीश थरवानी, परविंदर सिंह, श्याम लाल मरावी, रामकुमार त्रिपाठी, मनीष मिश्रा, रंजू यादव, अजित्व कैवर्त, उदय शर्मा, दिव्यांश अग्निहोत्री सहित भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं के लिए केन्द्रीय मंत्री से मिलीं कोरबा सांसद

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर कोरबा जिला सहित संसदीय क्षेत्र में यात्री सुविधाओं के संबंध में मांग पत्र सौंपा है।

सांसद ने रेल मंत्री को अवगत कराया कि करीब साल भर से कोरबा-गेवरा रोड के बीच यात्री ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है। कोरबा-कुसमुंडा और गेवरारोड के बीच की सडक़ अत्यंत ही जर्जर है जिससे कुसमुंडा, गेवरा की ओर जाने वाले यात्रियों को अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए तत्काल प्रभाव से कुछ यात्री ट्रेनों को गेवरा रोड तक पूर्व की तरह चलाया जाए।

सांसद ने रेल मंत्री से मांग की है कि कोरबा रेल्वे स्टेशन, चाम्पा रेल्वे स्टेशन, सक्ती रेल्वे स्टेशन नैला रेल्वे स्टेशन में बिस्तरयुक्त प्रतिक्षालय का निर्माण व कोरबा, चाम्पा, सक्ती में विकलांगों, वृद्धजनों, महिलाओं व अन्य को एक प्लेट फार्म से दूसरे प्लेट फार्म में जाने हेतु रैम्प का निर्माण किया जाना चाहिए।

सारागांव रेल्वे स्टेशन का जीर्णोद्धार व सर्व सुविधायुक्त बनाया जाये, सक्ती में फुट ओवर ब्रिज में एस्कलेटर की आवश्यकता एवं उच्च स्तरीय वेटिंग हॉल निर्माण, सक्ती रेल्वे स्टेशन में शेड निर्माण, यूरिनल, पेय जल एवं अन्य यात्री सुविधा का विस्तार किया जाए। सांसद ने रेल मंत्री से कहा कि औद्योगिक नगरी कोरबा को जोडऩे वाले चाम्पा रेल्वे स्टेशन में 128601/12859 गीतांजली एक्सप्रेस, 20471/20472 बीकानेर-पुरी का ठहराव दिया जाये, सक्ती में नगरवासियों की बहुप्रतिक्षित मांग गोंडवाना एक्सप्रेस का स्टापेज सुनिश्चित किया जाए।

रद्द की गई यात्री ट्रेनों को नियमित चलाने की मांग-रेल संघर्ष समिति कोरबा के द्वारा सांसद को ज्ञापन सौंपकर यात्री सुविधाओं के संबंध में मांग की गई है जिस पर सांसद ने समस्याओं से रेल मंत्री को बताया है कि त्योहारों, छुट्टियों, शादी-ब्याह के अवसरों में रेलवे बिना बताए, बिना कारण के यात्री ट्रेनों को रद्द कर देती है। महिने पहले यात्रा की योजना बनाकर रिजर्वेशन कराने वाले यात्री रेलवे की इस मनमानी से परेशान है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली सैंकड़ों यात्री ट्रेनों को अनेकों बार महिनों तक के लिए रद्द किया गया है। इसका कारण मेन्टेनेंस बताया जाता है जबकि उन्हीं ट्रैकों पर यात्री ट्रेनों से 50 गुना अधिक क्षमता वाली मालवाहन ट्रेनें चलाई जाती है। कोरबा से कई यात्री ट्रेनों को बंद कर दिए जाने के कारण समस्याएं हो रही है जिन्हें पुनः प्रारंभ करना चाहिए।

5 दिन पूर्व सूचना देने रेल मंत्री ने किया आश्वस्त-सांसद द्वारा ट्रेनों को बिना सूचना बार-बार रद्द किए जाने के संबंध में अवगत कराने पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने आश्वस्त किया है कि भविष्य में ट्रेनों के रद्द करने पर 5 दिन पूर्व इस संबंध में सूचना आम लोगों को जारी किए जाने की व्यवस्था की जाएगी।

कनकी में लगभग 05 एकड़ शासकीय भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने जिला प्रशासन सतत् प्रयासरत

अतिक्रमण के संबंध में जनचौपाल में हुई थी शिकायत

कोरबा (दिव्य आकाश)

शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सतत कार्य किया जा रहा है। राजस्व विभाग द्वारा कनकी में लगभग 5 एकड़ शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया है। विगत दिनों कलेक्टर जनचौपाल में करतला विकासखण्ड के कनकी ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा के सम्बंध में शिकायत की गई थी। कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्रामीणों की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए तहसीलदार बरपाली को उक्त प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।

कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में तहसीलदार बरपाली द्वारा प्रकरण की पूर्ण जांच कर शासकीय भूमि पर ग्रामीण के अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही की गई। तहसीलदार द्वारा प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में सुनवाई की गई, जिसमें अनावेदक नूतन राजवाड़े द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत सही पाई गई। तहसीलदार बरपाली ने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 में निहित प्रावधान के तहत अनावेदक द्वारा लगभग 05 एकड़ शासकीय भूमि में किए गए कब्जे पर बेदखली की कार्यवाही करने एवं भूमि से अतिक्रमण को हटाने का आदेश पारित किया। जिसमें ग्राम कनकी के पटवारी हल्का नंबर 03 पर स्थित शासकीय घास मद की भूमि खसरा नंबर 1238/1 रकबा 0.288 हेक्टेयर व खसरा 1344/1 रकबा 6.844 हेक्टेयर के अंतर्गत 1.081 हेक्टेयर व 0.170 हेक्टेयर कुल 1.251 हेक्टेयर, इसी प्रकार शासकीय बड़े झाड़ के जंगल मद की भूमि खसरा नंबर 1344/3 रकबा 0.809 हेक्टेयर व खसरा नंबर 1345/1 रकबा 1.157 में से 0.134 हेक्टेयर व 0.069 हेक्टेयर, कुल 0.203 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 1609 रकबा 14.165 हेक्टेयर अंतर्गत 0.152 हेक्टेयर सहित लगभग 05 एकड़ शासकीय भूमि पर सब्जी बाड़ी लगाकर किए गए अतिक्रमण पर बेदखली की कार्यवाही करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

बचाव में पहुंचे पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर

प्रशासन जब बेजाकब्जा हटाने कनकी पहुंचा तो समाचार मिलते ही पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर भी मौके पर पहुंचे और उपस्थित बरपाली तहसीलदार से कहा कि कार्रवाई से पहले अनावेदक को नोटिस जारी करना था, इस कार्रवाही को श्री कंवर ने अवैध बताया और कहा कि जो कार्यवाही जिस स्थल पर की जा रही है, वह नूतन राजवाड़े की जमीन है। ननकीराम कंवर के विरोध के बाद भी पुलिस के साए में प्रशासन ने अपनी कार्यवाही जारी रखी और पांच एकड़ जमीन को मुक्त कराया। प्रशासन की कार्यवाही के समय भारी संख्या में ग्रामीण भी पहुंचे थे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में अनेक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

09 से तिरंगा यात्राएं, रैलियों सहित होंगी विभिन्न गतिविधियां

कोरबा (दिव्य आकाश)।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में 09 अगस्त से 15 अगस्त तक जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि आमजन में देश भक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में भी वृद्धि हो। इस अभियान के तहत तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा दौड़ और मैराथन, तिरंगा कॉन्सिट्र्स, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा सम्मान व तिरंगा मेला जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के अंतर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, कॉर्पोरेट और निजी संगठनों को भी सीएसआर संसाधनों सहित भाग लेने और योगदान व प्रोत्साहित करने, राज्य सरकार की वेबसाइटों और सोशल मीडिया का उपयोग कर जागरूकता फैलाने व हर घर तिरंगा कार्यक्रम को वेबसाइट के माध्यम से लिंक करने हेतु निर्देशित किया है।

उन्होंने शासन स्तर पर मॉनिटरिंग कर ग्राम सरपंचों एवं पंचायत के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित कर तिरंगा कोड को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त तिरंगा की मांग का पता लगाने के लिए ग्राम सभा आयोजन करने, शासकीय स्तर पर प्रत्येक गांव में तिरंगा वितरण और बिक्री केंद्र स्थापित करना, स्थानीय स्व-सहायता समूहों को तिरंगा के निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना, समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में तिरंगा फहराना, पैम्पलेट, बैनर, स्टैण्डिज़ आदि के माध्यम से स्वतंत्रता सप्ताह हर घर तिरंगा कार्यक्रम का प्रमुखता प्रचार-प्रसार करने, राज्य के सभी जिलों में तिरंगा के वितरक/बिक्री केन्द्र के रूप में उचित मूल्य की दुकान का विशाल नेटवर्क स्थापित करना, टोल-नाका, चेक पोस्ट आदि में पैम्पलेट-स्टीकर वितरण सुनिश्चित करना, स्वतंत्रता सप्ताह हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को तिरंगों के भंडारण एवं वितरण के लिए नोडल संस्थाओं के रूप में नामांकित किया जाना, हर घर तिरंगा कार्यक्रम अंतर्गत सतत् मॉनिटरिंग के लिए समस्त जिला कलेक्टर शासन के दिशा-निर्देश अनुरूप अपने स्तर पर कार्यवाही करना तथाकार्यक्रम हेतु निर्धारित प्रपत्र में जानकारी समय-सीमा में उपलब्ध कराना एवं कार्यक्रम अवधि के दौरान सभी कार्यालयों एवं सभी घरों में तिरंगा फहराने के लिए अधीनस्थ सभी कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही, आम नागरिकों को भी डाकघरों से झण्डा क्रय करने हेतु प्रोत्साहित करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। तिरंगा यात्रा में युवा, वृद्ध, पुरुष और महिलाएं शामिल हो सकते हैं।

मंत्री देवांगन का कोरबा प्रवास आज

कोरबा (दिव्य आकाश)। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन 09 अगस्त को एक दिवसीय कोरबा प्रवास पर रहेंगे। प्रात: 11 बजे रायपुर से निवास स्थान चारपारा कोहड़िया कोरबा के लिए प्रस्थान करेंगे, दोपहर 02 बजे कोरबा पहुंचेंगे। दोपहर 03:45 बजे कोहड़िया से कलेक्ट्रेट कोरबा परिसर के लिए प्रस्थान करेंगे। षाम 04 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित बैटरी ट्राइसाइकिल एवं इलेक्ट्रॉनिक व्हील चेयर वितरण कार्यक्रम में षामिल होंगे। शाम 04:45 बजे बुधवारी बाजार के लिए प्रस्थान करेंगे तथा 05 बजे विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा आयोजित मूल निवासी महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे, तत्पश्चात् अपने निवास स्थान चारपारा कोहड़िया हेतु प्रस्थान करेंगे।

हाथी ने तीन महिलाओं को सूंड से पटककर मार डाला

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में दंतैल हाथी ने तीन महिलाओं को कुचल दिया। जांजगीर-चांपा जिले के पंतोरा जंगल से हाथी सुबह कोरबा के कुसमुंडा खदान के करीब पहुंचा था। आमगांव में एक महिला और मवेशियों को कुचलने के बाद हाथी ने रात होते ही दो और लोगों मौत के घाट उतार दिया है। खैरभावना गांव के रहने वाले मंत्र राम चौहान की पत्नी और बहन पर हाथी ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों शौच कर घर वापस लौट रहे थे। हाथी के पहुंचने के सूचना के बाद से ही वन विभाग की टीम सुबह से हाथी पर निगरानी रखी हुई है। हाथी दिन भर जंगल में छिपा रहा, रात होने के बाद वापस लौट आया। फिलहाल, वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर तैनात है।

सुबह ही दंतैल हाथी ने महिला को सूंड से पटककर मार डाला था। जंगल से भटक कर गांव के मुख्य मार्ग पर जा पहुंचा। इसके बाद हाथी गांव के अंदर घुस गया। हाथी ने सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली ग्रामीण महिला गायत्री बाई को सूंड से उठाकर पटक दिया। दंतैल हाथी सुबह जांजगीर-चांपा जिले के पंतोरा जंगल से कोरबा के नराईबोध आमगांव रलिया पहुंच गया। नराईबोध निवासी घायल गायत्री के नाती अनमोल कुमार ने बताया कि उसकी दादी रोज की तरह गुरुवार की सुबह मॉर्निंग वॉक करने निकली थी।

महिला को सूंड से उठाकर पटका

इस दौरान अचानक हाथी पीछे से आकर उसे सूंड से उठाकर पटक दिया। वह बेहोशी हालत में पड़ी हुई थी। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर गए। जहां दादी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि हाथी की आने की सूचना के बाद लोग दहशत में है। वहीं कई लोग हाथी के साथ छेड़छाड़ करते नजर आए।

डीएफओ द्वय मौके पर पहुंचे

सूचना मिलते ही कोरबा डीएफओ अरविंद पीएम और कटघोरा डीएफओ कुमार निशान टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन कर्मियों ने हाथी को रेस्क्यू कर जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया। वन विभाग की टीम हाथी पर निगरानी रखी हुई है।

बस को हाइवा ने मारी टक्कर, सड़क किनारे दोनों पलटे:20 यात्रियों को आई गंभीर चोटें,तारा के पास हादसा

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्यमार्ग पर तारा के पास गुरुवार सुबह यात्रियों से भरी बस को तेज रफ्तार हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दोनों वाहन सड़क किनारे पलट गए। बस में सवार करीब 30 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तारा, मोरगा और उदयपुर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना तारा चौकी क्षेत्र की है।

दरअसल, सूरजपुर से अंबिकापुर होकर बिलासपुर के लिए जाने वाली जनता बस क्रमांक सीजी 29 बी 0106 अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर रवाना हुई। सुबह करीब 7.50 बजे नेशनल हाईवे-130 पर तारा के पास पहुंची। बस के चालक ने रफ्तार कुछ कम की, उसी दौरान अंबिकापुर से कोरबा की ओर जा रहे हाइवा क्रमांक सीजी 04 एमएच 7845 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

दोनों वाहन सड़क किनारे पलटे

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे साइडवाल में आधा लटक-कर पलट गई। इसके बाद हाइवा एक ट्रेलर से भी टकराकर बस के साथ सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में बस में सवार करीब 30 यात्रियों को चाटें आई हैं। इनमें से 20 को गंभीर हैं। अन्य सवारों को सामान्य चोट आई हैं।

चार घंटे बाद निकाला गया एक सवार

घटना की सूचना पर तारा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य तारा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर और कोरबा जिले के मोरगा के अस्पतालों में प्राथमिक उपचार किया गया। आधा दर्जन यात्रियों को हादसे में ज्यादा चोटें आई हैं। बस में एक यात्री फंस गया था, जिसे करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका।

हादसे में गंभीर रूप से घायल सवारों को एंबुलेंस के माध्यम से अंबिकापुर भी लाया जा रहा है। हाइवा का चालक भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया है।

यातायात दुर्घटनाओं को देखते हुए कोरबा पुलिस का अभिनव अभियान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर बढ़ते यातायात दुर्घटनाओं को देखते हुए जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी द्वारा अभिनव अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत जिले के हाईवे पर स्थित ब्लैक स्पॉट पर मार्ग मित्र समिति का गठन कराया गया था। जिसका विस्तार करते हुए उरगा कुदमुरा मार्ग में भी समिति का गठन किया गया है।

ज्ञात हो कि जिले में पाली-कटघोरा- अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 और उरगा- कुदमुरा मार्ग को दुर्घटनाजन्य सड़क के रूप में चिह्नांकित किया गया है। जिसमें सड़क दुर्घटना में अत्यधिक मृत्यु हुई है। इस जगह को ध्यान में रखते हुए यहाँ आसपास की दुकान और निवास करने वालों को मार्ग मित्र बनाया गया है और उन्हें कुछ भी दुर्घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने और एम्बुलेंस को बुलाने के संबंध में बताया गया।

जिसमें पूर्व में कुल 18 समितियों का गठन किया गया है जिसमें कुल 67 लोगों को जोड़ा गया और उन्हें मार्ग मित्र बनाया गया। अभी इसका विस्तार करते हुए कुल 26 समिति हो गई है और कुल 107 मार्ग मित्र बन गए हैं।

जगह जगह पर सजग कोरबा का पैम्फ़लेट भी चिपकाया गया है और लोगों को जागरूक किया गया है। सभी मार्ग मित्र से पुलिस के मोबाइल नंबर साझा किए गए। कोरबा पुलिस के द्वारा यातायात दुर्घटना में कमी लाने के लिए आगे भी इस तरह की कार्यवाही जारी रखी जाएगी। ज्ञात हो कि पूर्व में पुलिस के द्वारा मार्ग मित्र को प्राथमिक उपचार संबंधी प्रशिक्षण दिया गया था।

बोईदा में आदिवासी सम्मेलन:मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 10 अगस्त को आयेंगे

कोरबा/हरदीबाजार (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के हरदीबाजार क्षेत्र के ग्राम बोईदा हाईस्कूल मैदान में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के 10 अगस्त आगमन की तैयारी का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया । कार्यक्रम स्थल पर मंच निर्माण,पंडाल,बैठक व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया।

डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्थापना दिवस 01 नवंबर के अवसर पर राज्य के सबसे उत्कृष्ठ कृषक को डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार वर्ष 2024 प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार प्राप्त करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जिसे कृषि विभाग के विकासखण्ड कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पूर्ण रूप से भर कर सम्बंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ सफलता की कहानी अधिकतम दो पेज, उत्कृष्ठ कार्यां की रंगीन छायाचित्र और वीडियो सीडी संलग्न करना होगा। आवेदनकर्ता को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना तथा विगत 10 वर्षों से कृषि कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में कर रहा होना अनिवार्य है। ऐसे कृषक ही आवेदन कर सकेंगे जिसकी कुल आमदनी में से 75 प्रतिशत् केवल कृषि से हो एवं किसी भी प्रकार का सिंचाई शुल्क/सहकारी बैंकों का कालातीत ऋण न हो।

चयन का मापदण्ड

चयन व मूल्यांकन मापदण्ड के तहत फसल में विविधीकरण और उत्पादकता वृद्धि के लिये नवीन कृषि तकनीकी अपनाने का स्तर होना चाहिए। उन्नत कृषि तकनीकी के प्रचार-प्रसार व अन्य कृषकों द्वारा अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिये प्रयास किया गया हो। विगत तीन वर्षां में विभिन्न फसलों के उत्पादकता का स्तर कृषि व सहयोगी क्षेत्र में कृषक द्वारा किया गया हो।

मसाहती ग्राम बरबसपुर का नक्शा प्रकाशित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मसाहती ग्राम बरबसपुर तहसील कोरबा का प्रारंभिक प्रकाशन दिनांक 08 मई 2023 को किया जा चुका है। अब तक कुल 52 दावा आपत्ति प्राप्त हुए हैं। इस संबंध में अन्य किसी व्यक्ति के प्रारंभिक प्रकाशन के संबंध में कोई दावा-आपत्ति करनी हो तो तहसील कार्यालय कोरबा में कर सकते हैं। इसके साथ ही नक्शा एवं आंशिक खसरा का अवलोकन भी किया जा सकता है।

निधन

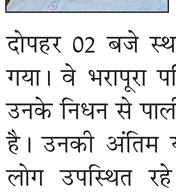

पाली। क्षेत्र के ख्यातिलब्ध नागरिक एवं सेवानिवृत्त शिक्षक संतलाल डिक्सेना का 78 वर्ष की आयु में आज गुरूवार को प्रात: निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 02 बजे स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे भरापूरा परिवार छोड़कर चले गए। उनके निधन से पाली में शोक की लहर व्याप्त है। उनकी अंतिम यात्रा में काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कुछ दिन से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com